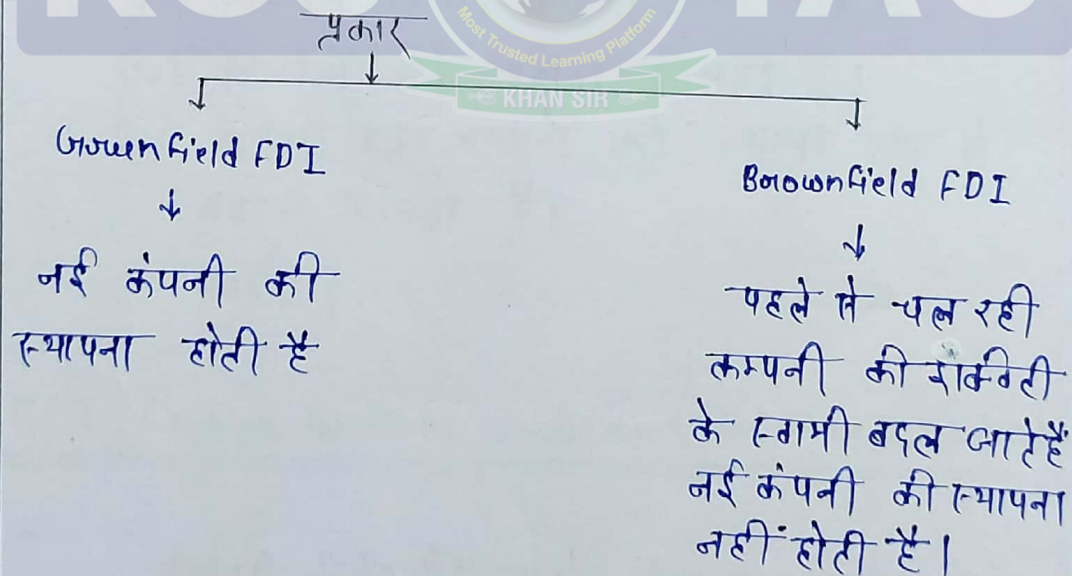


FDI - Foreign Direct Investment (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश)

अर्थ: किसी एक विदेशी निवेशक द्वारा मेजबान राष्ट्र की किसी एक कंपनी की शक्ति में 10% या इससे अधिक का निवेश करना FDI कहलाता है।

प्रकार →

- स्थिर (Stable)
- दीर्घकालिक (Long term)
- वापस नहीं लौटता है (सामान्यतया) Non-reversible



नोट :-

भारत जैसे नए राष्ट्रों को तुलनात्मक रूप से *greenfield FDI* से अधिक लाभ मिलता है, हालांकि भारत में अब तक *FDI* का लगभग 40% भाग *brownfield FDI* के रूप में है।

संभावित लाभ -

- (i) पूंजी निर्माण को बढ़ावा मिलता है।
(*greenfield FDI* के मामले में)
- (ii) तकनीकी ज्ञान प्राप्त होता है।
- (iii) प्रबंधकीय कौशल प्राप्त होते हैं।
- (iv) विपणन संबंधी कौशल प्राप्त होते हैं।
- (v) निर्यातों को बढ़ावा मिलता है।
- (vi) विदेशी मुद्रा भण्डारों को स्थायी रूप से बढ़ावा मिलता है।
आदि।

FPI - Foreign Portfolio Investment - विदेशी पोर्टफोलियो निवेश

अर्थ :-

विदेशी निवेशकों द्वारा मेजबान राष्ट्र में किया जाने वाला ऐसा निवेश जो निवेशित संस्थाओं में उन्हें नियंत्रण करी शक्ति नहीं देता है।

यह निवेश शक्ति, बॉन्ड, ट्रेजरी बिल, डिबेंचर और कई प्रकार के अन्य वित्तीय उपकरणों में किया जा सकता है। यह मुख्य रूप से द्वितीय बाजार से प्रवेश करता है, हालांकि यह IPO, FPO आदि के माध्यम से प्राथमिक बाजार के मार्ग से भी आ सकता है।

प्रकृति (Nature) :-

- (i) Short time
 - (ii) Volatile
 - (iii) Reversible
 - (iv) Fair-weather friend (मरते मौसम का दोस्त)
- Hot Money

संभावित लाभ :-

- (i) विदेश बाजार में तरलता का स्तर बढ़ता है।
- (ii) CAD के वित्तीयन में मदद मिलती है।
- (iii) Composite governance में सुधारों के लिए दबाव बनाता है।
- (iv) विदेश बाजारों में सुधारों का दबाव बनाता है आदि।

P- Notes क्या होते हैं ?
(Participatory notes)

इन्हें ODI (Overseas Derivative Instruments)
भी कहते हैं।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा इन्हें विदेशों
में निकाला जाता है और इनमें प्राप्त की गई
शारी को भारत के शेयर बाजार में निवेश किया
जाता है।

ये उन लोगों के लिए निकाला जाता है
जो भारत में सीधे नहीं निवेश करना चाहते
हैं।

KGS IAS

